B.A. -I CBCS Pattern Semester-II

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 5 | **GUG/S/24/10027**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथेको मिगलुद्दको अरञ्ञे चरन्तो पानिपतित्ये बोधिसत्तस्स पदवलज्जं दिस्वा लोहनिगळसदिसं बध्दमय पास ओड्ढेत्वा अगमासि। बोधिसत्तो पानांयं पातुं आगतो पण्मयामे येव पासे वज्झित्वा बध्दरावं रवि। तस्स तेन सदेनं रुक्खग्गतो सतपतो उदकतो च कच्छपो आगन्त्वा' किं नु खो कातब्बो? न्ति मन्तयिंसु। 'अथ सतपत्तो कच्छपं आमन्तेत्वा' सम्म तंव दन्ता अत्थि, त्वं इमं पासं छिन्दं, अहं गन्त्वा यथा सो नागच्छति तथा करिस्सामि। एवं अहोही दीहिं पि कतपरक्कमेन सहायो नो जीवितं लभिस्सति' ति इममत्थं पकासेन्तो पठम गाथमाह-

"इद्धा बध्दमयं पासं छिन्दं दन्तेहि कच्छप।
अहं तथा करिस्सामि यथा नेहिति लुद्दको" ति॥
कच्छपो चम्मवरत्तं खादितुं आरंभि।

किंवा / अथवा

एकमन्त निसिन्नो खो राजा पसेनदि कोसलो भगवा एतदवोच - "कति नु खो, भन्ते, लोकस्स धम्मा उप्पज्जमाना उप्प्जन्ति अहिताय दुक्खाय अफासुविधा राया' ति? 'तयो खो, महाराज, लोकस्स धम्मा उप्पज्जमाना उप्पज्जन्ति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाय। कतमे तयो? लोभो खो, महाराज, लोकस्स धम्मो उप्पज्जमानो उप्प्ज्जति अहितायं दुक्खाय अफासुविहाय। दोसो खो, महाराज, लोकस्स धम्मो उप्पज्जमानो उप्पज्जति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराय। यो हो खो महाराज लोकस्स धम्मो उप्पज्जमानो उप्पजति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराय खो, महाराज, तयो लोकस्स धम्मा उप्पज्जमाना उप्पजन्ति।

ब) नच्चजातकांची मध्यवर्ती कथा स्पष्ट करा. **6**
नच्चजातक की मध्यवर्ती कथा स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

लोकधम्म कोणते ते लोकसुत्तांच्या आधारे लिहा.
लोकधम्म कोणसे वह लोकसुत्तं के आधार पर लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) सीलमेविध सिक्खेथ, अस्मिं लोके सुसिक्खितं।
सीलं हि सब्बसम्पन्ति, उपनामेति सेवितं॥

2) सीलं रक्खेय्य मेधावी, पत्थयानो तयो सुखे।
पसंसं विन्तिलाभं च, पेच्च सग्गे पमोदनं॥

3) सीलवा हि बहू मिन्ते, सञ्ञमेनाधिगच्छति।
दुस्सीलो पन मित्तहि, धंसते पापनाचरं॥

4) अवण्णं च अकित्तिं च, दुस्सिलो लभते नरो।
वण्णं किन्ति पसंसं च, सदा लभति सीलवा॥

किंवा / अथवा

1) यथापि कस्सको पुरिसो खेत्तं दिस्वा महागमं।
तत्थ बीजं न रोपेति न सो धञ्येन अत्थिको॥

2) एवमेवाह पुञ्ञकामो दिस्वा खेत्तं वरुन्तमं।
यदि तत्थं कार नं करोमि नाहं पुञ्ञेन अत्थिको॥

3) यथा आमच्चो युध्दकामो रञ्ञो अन्तंपुरे जने।
न देति तेसं धनधञ्ञं युध्दतो परिहायति॥

4) एवमेवाहं पुञ्ञकामो विपुलं दिस्वानं दक्खिण।
यपि तस्स दानं न ददामि परिहायिस्सामि पुञ्ञतो॥

ब) सुनित थेर यांचे कथानक तुमच्या शब्दात लिहा. **6**
सुनित थेर इनका कथानक तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

सङ्ख ब्राह्मणाचा सारांश लिहा.
सङ्खब्राह्मण का सार लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

यथा, महाराज, रञ्ञो चक्कवत्तिस्स भण्डागारिको राजानं चक्कवति सायम्वतांत यस सरापेति - 'एत्तका, देव, ते, हाथी एत्तका अस्सा, एत्तका रथा, एत्तका पत्ती, एतकं हिरञ्ञं एतक्कं, सुवण्णं, एतकं सापतेय्यं, तं देवो सरतू' ति रञ्ञो सपितय्य अपिलपिति एवमेव खो, महाराज, सति उप्पज्जमाना कुसला कुसल सावज्जानवज्जहीनप्पणीत कण्हसुक्कसप्प हिमागधम्मे अविलपिति - इमे चत्तारो सतिपट्ठाना इमे वत्तारो सम्मत्पधाना, इमे चत्तरो इध्दिपादा इमानि पञ्चिन्द्रियानि, इमानि पञ्च बलानि, इमे सन बोज्झङा अयंअरियो अट्ठङिगकोमग्गो, अयं समयो, अयं विपस्सना अयं विज्जा, अयं विमूत्ति ति, ततो योगावचरो सेवितब्बो धम्मे संवति, असेवितब्बे धम्मे न सेवति भजितब्बे धम्मे भजति, अभजितब्बो धम्मे न भजति। एवं खो, महाराज अपिलापनलक्खणा सति' ति?

किंवा / अथवा

"एवं ससविधमेथुनसंयोगवसेन। वुत्तं् हि भगवता इध, ब्राम्हण, एकच्चो समणो वा ब्राम्हणो वा सम्मा ब्रम्हचारी पटिजानमानो न हेव खो मातुगायेन सहिंद दृथन्दृथसमापति समापज्जात्ति, अपि च खो मातुगामस्स उच्छादनं परिमद्दनं न्हापनं सम्बाहण सादियति, सो तदस्सादेति, तं निकामेति, तेन च, वित्ति, आपज्जति। इदं पि खो, ब्राम्हण, ब्रह्मचरियस्स खण्डं पिछिददं पि सबलं पि, कम्मासं पि। अयं वुच्चति। ब्राम्हण, अपरिसुध्दं ब्रम्हचरियं चरति संयुत्तो मेथुनेन, संयोजेन न परिमुच्चति जातिया, जराय, मरणेन --- पे ---- न परिमुच्चति दुक्खस्साति वदामि।

ब) अनुपिटक साहित्यात विसुद्धीमग्ग चे महत्त्वं लिहा. **6**
अनुपिटक साहित्य में विसुद्धीमग्गं का महत्त्वं लिखिए।

किंवा / अथवा

"सतीलक्खण" सविस्तार सांगा.
"सतीलक्खण" विस्तार से बनाईये।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**

1) मुनि 2) रत्ति

3) अट्ठि 4) भिक्खु

ब) धातुचे वर्तमानकाळातील रुपे लिहा **कोणतेही दोन.** **4**
धातु के वर्तमान काल के रुप लिखिए **कोई भी दो।**

1) पच 2) हिंस

3) लिख 4) कुध

क) स्वीकृत माध्यमातून भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) इसिनो पुत्तो धम्म पठति।

2) मुनि निधि गण्हति।

3) भरियाय कुच्छिस्मि व्याधि भवति।

4) अहं बुध्दं सरणं गच्छामि।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) मुनि गावात जातात.
मुनि गांव में जाते है।

2) मुले धम्मपद वाचतात.
बच्चे धम्मपद पढ़ते है।

3) आम्ही महाविद्यालयात जातो.
हम महाविद्यालय में जाते है।

4) स्त्री घरी काम करते.
स्त्री घर में काम करती है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) जातक 2) संयुक्तनिकाय

3) चरियपिटक 4) थेरगाथा

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) जातक कथा किती आहेत.
जातक कथा कितनी है।
अ) 546 ब) 547
क) 548 ड) 549

2) जातक कथा कुठे येतात.
जातक कथा कहाँ आती है।
अ) खुद्दकनिकाय ब) संयुक्तनिकाय
क) मज्झिमनिकाय ड) धम्मपदं

3) मल्लिका राणीच्या राजधानी चे शहर कोणते?
मल्लिका राणी के राजधानी का शहर कौनसा?

अ) वैशाली ब) श्रावस्ती
क) राजगृह ड) नालंदा

4) लोकसुत्तं कुठे येते?
लोकसुत्तं कहाँ आता है?

अ) संयुक्तनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय
क) मज्झिमनिकाय ड) दीघनिकाय

5) थेरगाथा ग्रंथ कुठे येतो.
थेरगाथा ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) खुद्दक पाठ ब) खुद्दक निकाय
क) संयुक्त निकाय ड) जातक

6) सीलवत्थ थेर कोणत्या विषयांवर बोलतो.
सीलवत्थ थेर किस विषय पर बोलता है।

अ) राग ब) व्देष
क) मोह ड) सील

7) संङ्ख ब्राम्हणांने कोणती पारमिता पूर्ण केली?
संङ्ख ब्राम्हण ने कोनसी पारमिता पूरी की।

अ) दान ब) सील
क) प्रज्ञा ड) सत्य

8) सिविराज चरियं कोणत्या ग्रंथात येते.
सिविराज चरियं किस ग्रंथ में आता है?

अ) वंस साहित्य ब) दंत साहित्य
क) चरिय पिटक ड) अनुपिटक

9) सतिलक्खणपञ्होचा विषय कोणता आहे.
सतिलक्खणपञ्हो का विषय कौनसा है?

अ) दान ब) स्मृती
क) प्रेम ड) क्रोध

10) 'सीलस्ससङ्किलेसो' कुठे येते?
'सीलस्ससङ्किलेसो' कहाँ आता है।

अ) मिलिन्द पञ्हो ब) विशुध्दीमग्ग
क) चरिय पिटक ड) सिवीराज चरियं

****